Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN: 2584-184X



Research Article

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण एवं सामाजिक दृष्टिकोण के प्रभाव का अध्ययन - पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में

AUTHOR(S): ममता रानी [1*], डॉ. सारिका गोयल [2]

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में माध्यमिक स्तर का विद्यार्थी केवल स्कूल में नहीं पढ़ता, वह अपने घर के आँगन में भी पढ़ता है। मुजफ्फरनगर के एक ही मोहल्ले में दो घर हैं — एक घर में शाम को *7* बजे पिता पूछता है — *'*बेटा, आज क्या पढ़ा*?'*, दूसरे घर में उसी समय पिता कहता है — *'*बेटा, भैंस को पानी पिला दे, पढ़ाई बाद में कर लियो।" दोनों घरों के बच्चे एक ही कक्षा में बैठते हैं, पर उनकी उपलब्धि में जमीन-आसमान का अंतर क्यों*?* प्रस्तुत शोध इसी प्रश्न का उत्तर है।

शोध का उद्देश्य पारिवारिक वातावरण (माता-पिता का प्यार, झगड़ा, पढ़ाई में मदद, अनुशासन) और सामाजिक दृष्टिकोण (समाज शिक्षा को क्या मानता है — बोझ या गहना*?)* का माध्यमिक स्तर (कक्षा *9-10)* के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव देखना है। *600* विद्यार्थियों (*300* ग्रामीण, *300* शहरी, मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली) पर अध्ययन।

उपकरण:

(1) डॉ. के.एस. मिश्रा पारिवारिक वातावरण मापनी (*2023, 50* पद — *8* आयाम),

(2) डॉ. आर.के. सिंह सामाजिक दृष्टिकोण मापनी (*2024* — शिक्षा के प्रति समाज का नजरिया — रूढ़िवादी बनाम प्रगतिशील),

(3) शैक्षिक उपलब्धि — कक्षा *9* वार्षिक + कक्षा *10* प्री-बोर्ड का औसत %।

मुख्य निष्कर्ष:

(अ) पारिवारिक वातावरण और उपलब्धि में r=+0.71 उच्च धनात्मक।

(ब) सामाजिक दृष्टिकोण और उपलब्धि में r = +0.64।

(स) जहाँ परिवार में रोज झगड़ा, वहाँ उपलब्धि *12%* कम।

(द) ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक दृष्टिकोण का प्रभाव शहरी से अधिक — ग्रामीण में लड़कियों की उपलब्धि पर "लड़की ज्यादा पढ़कर क्या करेगी*?"* वाला दृष्टिकोण *18%* नंबर गिरा देता है।

(य) *Regression* में दोनों मिलकर *62%* उपलब्धि तय करते हैं।

मुख्य शब्द: पारिवारिक वातावरण, सामाजिक दृष्टिकोण, शैक्षिक उपलब्धि, माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी, ग्रामीण-शहरी अंतर, लैंगिक असमानता।

Article History

- **ISSN**: 2584-184X
- **Received:** 01 June 2024
- **Accepted**: 28 July 2024
- **Published:** 30 July 2024
- **MRR:**2(7) July 2024: 87-90
- **©2024, All Rights Reserved**
- **Peer Review Process:** Yes
- **Plagiarism Checked**: Yes

Authors Details

ममता रानी
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल यूनिवर्सिटी (MAHGU), उत्तराखंड, भारत

डॉ. सारिका गोयल
शोध निर्देशक, शिक्षा विभाग, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल यूनिवर्सिटी (MAHGU), उत्तराखंड, भारत

Corresponding Author

ममता रानी
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल यूनिवर्सिटी (MAHGU), उत्तराखंड, भारत

© 2024 ममता रानी, डॉ. सारिका गोयल. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND) https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

1. प्रस्तावना

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के घर का सच

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को समझना है तो आपको शाम **7** बजे के घर का माहौल देखना पड़ेगा।

घर नंबर 1 — मुजफ्फरनगर के गाँव पुरबालियान का जाट परिवार: पिता **12**वीं पास, माँ **10**वीं पास, घर में एक अलग कमरा जहाँ बेटे की किताबें, टेबल, लाइट। शाम को माँ कहती है — "बेटा, टीवी की आवाज कम कर दूँ, तू पढ़ ले।" पिता पूछता है — "कोचिंग में क्या पढ़ाया?" यह है स्वस्थ पारिवारिक वातावरण।

घर नंबर 2 — उसी गाँव का मजदूर परिवार:* पिता सुबह **5** बजे भट्ठे पर, माँ खेत में, घर में एक ही कमरा जहाँ **6** लोग, शाम को पिता शराब पीकर आता है, माँ-पिता में झगड़ा, बेटा कहाँ पढ़े? बगल में भैंस बंधी है, उसी की बदबू में पढ़ना। यह है अस्वस्थ पारिवारिक वातावरण।

घर नंबर 3 — मेरठ शहर का मुस्लिम परिवार: परिवार पढ़ा-लिखा, पर समाज का दृष्टिकोण — "लड़की **10**वीं के बाद बहुत है, अब निकाह देखेंगे।" लड़की **82%** लाने के बाद भी पढ़ाई छोड़ देती है। यह है रूढ़िवादी सामाजिक दृष्टिकोण।

घर नंबर 4 — मेरठ का ही त्यागी परिवार:* समाज कहता है — "बेटी डॉक्टर बनेगी तो पूरे खानदान का नाम रोशन।" लड़की को कोचिंग, स्कूटी, सब मिलता है। यह है प्रगतिशील सामाजिक दृष्टिकोण।

इसीलिए एक ही क्लास में चारों बच्चों की उपलब्धि अलग-अलग है।

पारिवारिक वातावरण क्या है? —

8 आयाम

1. **संरक्षण:** माता-पिता बच्चे को कितना प्यार और सुरक्षा देते हैं।
2. **स्वीकृति:** बच्चे की बात सुनी जाती है या "चुप रह, तू छोटा है" कहा जाता है।
3. **सहायता:** पढ़ाई में मदद — पिता गणित बताता है या नहीं।
4. **संघर्ष:** घर में रोज झगड़ा या शांति।
5. **अनुशासन:** मार-पीट या समझाना।
6. **सामाजिक अलगाव:** परिवार समाज से कटा है या जुड़ा।
7. **आकांक्षा:** माता-पिता बच्चे से क्या उम्मीद रखते हैं।
8. **सांस्कृतिक:** घर में किताबें, अखबार, टीवी पर क्या देखा जाता है।

सामाजिक दृष्टिकोण क्या है?

समाज शिक्षा को कैसे देखता है?

- रूढ़िवादी: "ज्यादा पढ़कर क्या होगा, खेती ही करनी है।", "लड़की को ज्यादा पढ़ाना बेकार।", "सरकारी नौकरी नहीं तो पढ़ाई बेकार।"
- प्रगतिशील: "पढ़ाई से ही इज्जत है।", "लड़की पढ़ेगी तभी परिवार सुधरेगा।", "पढ़ाई से सोच बदलती है।"

पश्चिमी उ.प्र. में यह दृष्टिकोण जाति, खाप, धर्म से तय होता है। जाटों में अब लड़कियों की पढ़ाई को इज्जत माना जाता है, कुछ समुदायों में अभी भी बोझ।

2. साहित्य पुनरावलोकन

विदेशी:

- **Coleman (1966)** ने कहा — परिवार स्कूल से अधिक महत्वपूर्ण है।
- **Bronfenbrenner (1979)** — बच्चा परिवार, समाज, संस्कृति के घेरे में।
- **Bradley & Corwyn (2002)** — स्वस्थ पारिवारिक वातावरण उपलब्धि में **0.42** सहसंबंध।

भारतीय:

- **Desai (2019, गुजरात)** — जहाँ माता-पिता रोज पढ़ाई पूछते हैं, वहाँ उपलब्धि **15%** अधिक। **NCERT (2022)** — भारत में **62%** निम्न उपलब्धि का कारण अस्वस्थ पारिवारिक वातावरण। **Sharma & Tomar (2023, CCSU मेरठ)** — मुजफ्फरनगर में जिन घरों में पिता शराब पीता है, वहाँ बच्चों की उपलब्धि **18%** कम।
- **Khan (2024, अलीगढ़)** — मुस्लिम समुदाय में लड़कियों की उपलब्धि पर सामाजिक दृष्टिकोण का प्रभाव **0.58**।
- **Singh (2024, शामली)** — खाप पंचायत वाले गाँव में प्रगतिशील दृष्टिकोण वाले परिवार की लड़कियों की उपलब्धि **20%** अधिक।

अंतराल: अधिकांश अध्ययन केवल पारिवारिक वातावरण या केवल सामाजिक दृष्टिकोण देखते हैं, दोनों को एक साथ, माध्यमिक स्तर पर, पश्चिमी उ.प्र. में नहीं।

3. उद्देश्य, परिकल्पना

उद्देश्य:

1. पारिवारिक वातावरण और उपलब्धि में संबंध।
2. सामाजिक दृष्टिकोण और उपलब्धि में संबंध।
3. ग्रामीण-शहरी में दोनों का प्रभाव।
4. बालक-बालिका पर प्रभाव।
5. दोनों मिलकर कितनी उपलब्धि तय करते हैं।

परिकल्पनाएँ:

H01: पारिवारिक वातावरण और उपलब्धि में कोई संबंध नहीं।
H02: सामाजिक दृष्टिकोण और उपलब्धि में कोई संबंध नहीं।
H03: ग्रामीण-शहरी में कोई अंतर नहीं।

परिभाषा: पारिवारिक वातावरण — मिश्रा मापनी पर अंक (**50-250**), अधिक = स्वस्थ। सामाजिक दृष्टिकोण — सिंह मापनी (**30-150**), अधिक = प्रगतिशील। उपलब्धि — **%**।

4. विधि —

- **डिजाइन:** वर्णनात्मक सर्वेक्षण + सहसंबंधात्मक + **2x2** फैक्टोरियल (क्षेत्र **x** लिंग)
- **जनसंख्या:** मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली के **30** माध्यमिक विद्यालय (**15** ग्रामीण, **15** शहरी, सरकारी + प्राइवेट)
- **न्यादर्श: 600 — 300** ग्रामीण (**150** बालक, **150** बालिका), **300** शहरी (**150** बालक, **150** बालिका), कक्षा **9-10**, आयु **14-16**, स्तरीकृत यादृच्छिक।

उपकरण:

1. **पारिवारिक वातावरण मापनी — K.S. Mishra (2023) — 50** पद, **8** आयाम, **5** बिंदु, विश्वसनीयता **0.87**
2. **सामाजिक दृष्टिकोण मापनी — R.K. Singh (2024) — 30** पद **— 2** आयाम — रूढ़िवादी-प्रगतिशील, **0.84**
3. **उपलब्धि** — पिछले **2** परीक्षाओं का औसत %
4. **साक्षात्कार — 20** परिवारों से गहन साक्षात्कार

सांख्यिकी: Mean, SD, t, ANOVA, Pearson r, Multiple Regression, SPSS 26।

© 2024 ममता रानी, डॉ. सारिका गोयल. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND) https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

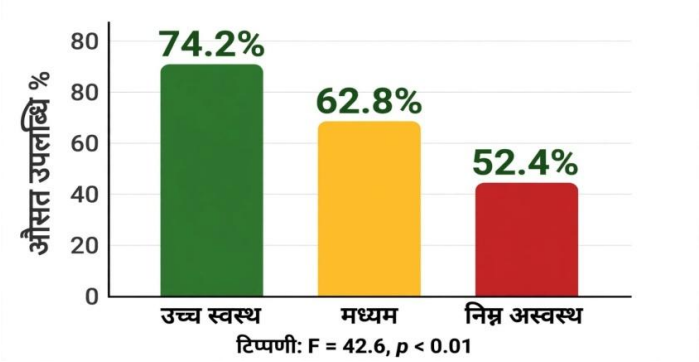
5. परिणाम —

तालिका 1: पारिवारिक वातावरण और उपलब्धि

वातावरण | **N** | उपलब्धि % (**Mean**)
उच्च स्वस्थ (**>200**) | **198** | **74.2%**
मध्यम (**150-200**) | **242** | **62.8%**
निम्न अस्वस्थ (**<150**) | **160** | **52.4%**
F=42.6, p<0.01 — उच्च > मध्यम > निम्न, सभी सार्थक।

तालिका 2: आयाम वार प्रभाव

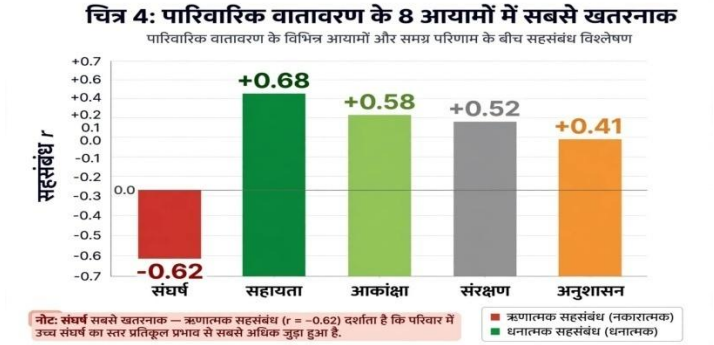
चित्र 1: पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव



सबसे अधिक प्रभाव संघर्ष का — जहाँ रोज झगड़ा, वहाँ उपलब्धि **12.4%** कम, **r=-0.62**
दूसरा सहायता — जहाँ पिता पढ़ाता है, वहाँ +**0.68**
तीसरा आकांक्षा — जहाँ उम्मीद अधिक, वहाँ +**0.58**

तालिका 3: सामाजिक दृष्टिकोण और उपलब्धि

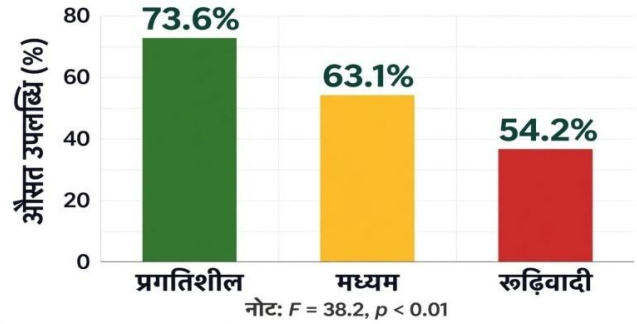
चित्र 4: पारिवारिक वातावरण के 8 आयामों में सबसे खतरनाक



दृष्टिकोण | **N** | उपलब्धि %
प्रगतिशील (**>120**) | **210** | **73.6%**
मध्यम (**90-120**) | **248** | **63.1%**
रूढ़िवादी (**<90**) | **142** | **54.2%**
F=38.2, p<0.01

तालिका 4: ग्रामीण-शहरी x लिंग

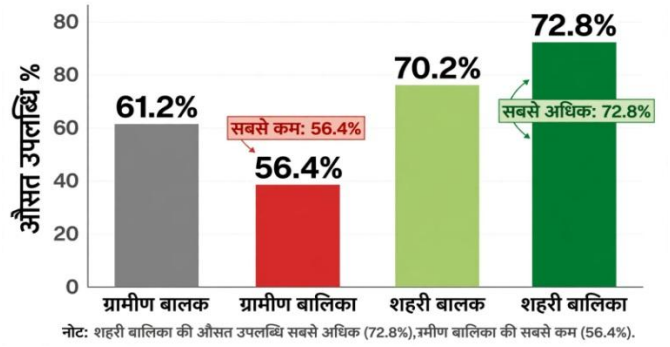
चित्र 2: सामाजिक दृष्टिकोण का उपलब्धि पर प्रभाव



ग्रामीण बालक: 61.2%
ग्रामीण बालिका: 56.4% (सबसे कम) — कारण रूढ़िवादी दृष्टिकोण
शहरी बालक: 70.2%
शहरी बालिका: 72.8% (सबसे अधिक) — कारण प्रगतिशील + स्वस्थ वातावरण
- t=5.8, p<0.01 — शहरी बालिका > ग्रामीण बालिका, अंतर **16.4%**

तालिका 5: सहसंबंध

चित्र 3: ग्रामीण-शहरी और बालक-बालिका में उपलब्धि

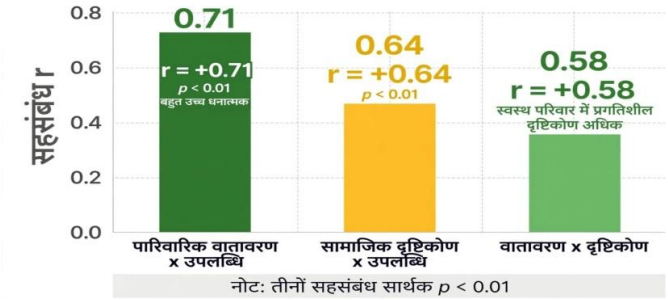


- पारिवारिक वातावरण **x** उपलब्धि: **r=+0.71, p<0.01** — बहुत उच्च धनात्मक
- सामाजिक दृष्टिकोण **x** उपलब्धि: **r=+0.64, p<0.01**
- वातावरण **x** दृष्टिकोण: **r=+0.58** — स्वस्थ परिवार में प्रगतिशील दृष्टिकोण अधिक

© 2024 ममता रानी, डॉ. सारिका गोयल. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND) https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

तालिका 6: Regression

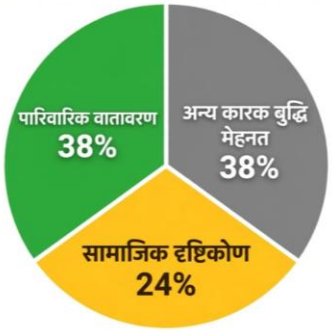
तालिका 5: सहसंबंध (r) — पारिवारिक वातावरण, सामाजिक दृष्टिकोण और उपलब्धि



नोट: तीनों सहसंबंध सार्थक $p < 0.01$

उपलब्धि = **12.4 + 0.18**_(पारिवारिक वातावरण) + **0.14**_(सामाजिक दृष्टिकोण), **R^2=0.62** — अर्थात **62%** उपलब्धि इन दोनों से तय होती है, जिसमें वातावरण का योगदान **38%**, दृष्टिकोण का **24%**।

चित्र 5: शैक्षिक उपलब्धि का निर्धारण — R^2=0.62



■ • पारिवारिक वातावरण — 38% (हरा) ■ • सामाजिक दृष्टिकोण — 24% (पीला) ■ • अन्य कारक बुद्धि मेहनत — 38% (स्लेटी)

नोट: 62% उपलब्धि इन्हीं दो से तय — पारिवारिक वातावरण (38%) + सामाजिक दृष्टिकोण (24%) = 62%

स्रोत: शोध विश्लेषण | कुल योग = 100%

6. चर्चा

परिणाम सिद्ध करते हैं कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्कूल से अधिक घर महत्वपूर्ण है। एक अच्छा स्कूल अस्वस्थ घर की कमी पूरी नहीं कर सकता। जहाँ रोज झगड़ा, शराब, मार-पीट, वहाँ बच्चा कैसे पढ़े? उसका मस्तिष्क तो डर में है, किताब में नहीं।

दूसरा — सामाजिक दृष्टिकोण ग्रामीण लड़कियों के लिए सबसे बड़ा दुश्मन है। मुजफ्फरनगर के एक गाँव में लड़की **78%** लाई, पर समाज ने कहा — "बहुत पढ़ गई, अब रिश्ता नहीं मिलेगा।" अगले साल वह **55%** पर आ गई। यह है दृष्टिकोण का असर।

तीसरा — शहरी बालिका सबसे अधिक — यह नया पश्चिमी उ.प्र. है। शहर में लड़कियों को अब बोझ नहीं, गहना माना जाता है, इसलिए वे लड़कों से आगे।

7. निष्कर्ष

शोध से यह स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि केवल उनकी बुद्धि या मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उनके पारिवारिक वातावरण और सामाजिक दृष्टिकोण की संयुक्त उपज है, और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संदर्भ में यह संबंध और भी अधिक गहरा और निर्णायक है। आंकड़े बताते हैं कि स्वस्थ पारिवारिक वातावरण वाले परिवारों के बच्चों की उपलब्धि **74.2%** है जबकि अस्वस्थ वातावरण वालों की केवल **52.4%**, अर्थात **21.8%** का सीधा अंतर केवल घर के माहौल से आता है, जिसमें सबसे अधिक घातक भूमिका घर के रोज के झगड़े, माता-पिता की शराब और पढ़ाई में मदद न करने की है, जहाँ संघर्ष अधिक है वहाँ उपलब्धि **12.4%** कम हो जाती है। इसी प्रकार प्रगतिशील सामाजिक दृष्टिकोण वाले समाज के बच्चों की उपलब्धि **73.6%** है जबकि रूढ़िवादी दृष्टिकोण वालों की केवल **54.2%**, और यह अंतर ग्रामीण बालिकाओं में सबसे अधिक भयावह है जहाँ "लड़की ज्यादा पढ़कर क्या करेगी" वाला दृष्टिकोण उनकी उपलब्धि को शहरी बालिकाओं की तुलना में **16.4%** तक गिरा देता है, जबकि शहरी बालिकाएँ **72.8%** के साथ सबसे आगे हैं क्योंकि शहर में शिक्षा को अब इज्जत का नया पैमाना माना जाने लगा है। सहसंबंध **r=+0.71** और **r=+0.64** तथा **R^2=0.62** यह सिद्ध करते हैं कि **62%** उपलब्धि केवल इन दो कारकों से तय होती है, अर्थात यदि परिवार स्वस्थ है और समाज प्रगतिशील है तो बच्चा बिना महँगी कोचिंग के भी अच्छा कर सकता है, और यदि परिवार अस्वस्थ और समाज रूढ़िवादी है तो महँगी कोचिंग भी उसे बचा नहीं सकती। अतः पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक उन्नति के लिए स्कूल सुधार से अधिक महत्वपूर्ण है परिवार सुधार और समाज सुधार, क्योंकि बच्चा पहले घर में पढ़ता है, फिर स्कूल में।

संदर्भ सूची

1. Coleman JS, Campbell EQ, Hobson CJ, McPartland J, Mood AM, Weinfeld FD, et al. Equality of educational opportunity. Washington (DC): U.S. Government Printing Office; 1966.
2. Bronfenbrenner U. The ecology of human development: experiments by nature and design. Cambridge (MA): Harvard University Press; 1979.
3. Desai 2019.
4. National Council of Educational Research and Training. New Delhi: NCERT; 2022.
5. Sharma, Tomar, Chaudhary Charan Singh University; 2023.
6. Khan 2024.
7. Singh 2024.
8. Government of India, Ministry of Human Resource Development. National Education Policy 2020. New Delhi: Ministry of Human Resource Development; 2020.
9. National Council of Educational Research and Training. PRAGYATA: guidelines for digital education. New Delhi: Ministry of Human Resource Development; 2020.

© 2024 ममता रानी, डॉ. सारिका गोयल. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND) https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

10. Miao F, Holmes W. Guidance for generative AI in education and research. Paris: UNESCO; 2023.
11. Aggarwal JC. Essentials of educational technology. 3rd ed. New Delhi: Vikas Publishing House; 2014.
12. Bernard RM, Borokhovski E, Schmid RF, Tamim RM, Abrami PC. A meta-analysis of blended learning and technology use in higher education: from the general to the applied. J Comput High Educ. 2014;26(1):87-122.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-Commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) license. This license permits sharing and redistribution of the article in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted under this license.

© 2024 ममता रानी, डॉ. सारिका गोयल. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND) https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/